ISSN: 2319-8753

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 3, Issue 4, April 2014

गठबंधन सरकार भूत भविष्य - राजस्थान के विशेष संदर्भ में

डॉ. गणपत राम सुथार

सह-आचार्य, राजनीति विज्ञान, एसबीके राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जैसलमेर

सार

गठबन्धन सरकार एक संसदीय सरकार की कैबिनेट होती हैं, जिसमें कई राजनीतिक दल सहयोग करते हैं, जिससे गठबन्धन के भीतर किसी भी एक दल का प्रभुत्व कम रहता हैं। इस व्यवस्था का आम कारण यह दिया जाता हैं कि कोई दल अपने बलबूते संसद में बहुमत प्राप्त नहीं कर सकता। एक गठबन्धन सरकार राष्ट्रीय संकट के समय भी बनाई जा सकती हैं (उदाहरण के लिये, युद्ध या आर्थिक संकट के दौरान), जो सरकार को उच्च स्तर की राजनीतिक औचित्यपूर्णता या सामूहिक पहचान दे सकती हैं, जो उसे चाहिये व साथ ही, आन्तरिक राजनीतिक विग्रह को कम करने में भी भूमिका निभा सकती हैं। ऐसे समय में, दलों ने "सर्वदलीय गठबन्धन" (राष्ट्रीय एकता सरकारे, महागठबन्धन) बनायें हैं। यदि कोई गठबन्धन गिर जाता हैं, तो एक विश्वास मत होता हैं या अविश्वास प्रस्ताव लिया जाता हैं। **राजस्थान सरकार** भारतीय राज्य राजस्थान और इसके ३३ जिलों का सर्वोच्च अधिकारप्राप्त प्राधिकरण है। राजस्थान के बारे में जानकारी प्राप्त करें। राज्य के इतिहास, प्रोफाइल, जिला के प्रोफाइल, पर्यटन, ग्रामीण क्षेत्रों, भौगोलिक प्रोफ़ाइल, कला और संस्कृति आदि के बारे में जानकारी उपलब्ध है। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडल, मुख्य सचिव आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई है। प्रयोक्ता ई-शासन, ऑनलाइन बस टिकट बुकिंग, डाउनलोड करने योग्य प्रपत्र, अधिनियमों और नीतियों और सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) निगरानी प्रणाली आदि नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

परिचय

किसान कौम बाहुल्य राजस्थान भारत गणराज्य का क्षेत्रफल के आधार पर सबसे बड़ा राज्य है।इस राज्य की एक अंतरराष्ट्रीय सीमा पाकिस्तान के साथ 1070 km लगती है। जिसे रेड क्लिप रेखा के नाम से जानते है| इसके अतिरिक्त यह देश के अन्य पाँच राज्यों से भी जुड़ा है।इसके दक्षिण-पश्चिम में गुजरात[7], दक्षिण-पूर्व में मध्यप्रदेश, उत्तर में पंजाब (भारत), उत्तर-पूर्व में उत्तरप्रदेश और हरियाणा है। राज्य का क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग कि°मी° (132140 वर्ग मील) है। 2011 गणना के अनुसार राजस्थान की साक्षरता दर 70% हैं। राजस्थान का पुराना नाम संकीर्ण अर्थ में तो राजपुताना था किन्तु ये उतना सत्य नही हैं।

जयपुर राज्य की राजधानी है। भौगोलिक विशेषताओं में पश्चिम में थार मरुस्थल और घग्गर नदी का अंतिम छोर है। विश्व की पुरातन श्रेणियों में प्रमुख अरावली श्रेणी राजस्थान की एक मात्र पर्वत श्रेणी है, जो कि पर्यटन का केन्द्र है, माउंट आबू और विश्वविख्यात देलवाड़ा मंदिर सम्मिलित करती है। राजस्थान में तीन(रामगढ़ विषधारी के जुड़ने के बाद चार)बाघ अभयारण्य, मुकंदरा हिल्स[8], रणथम्भौर एवं सरिस्का हैं और भरतपुर के समीप केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है, जो सुदूर साइबेरिया से आने वाले सारसों और बड़ी संख्या में स्थानीय प्रजाति के अनेकानेक पक्षियों के संरक्षित-आवास के रूप में विकसित किया गया है। राजस्थान का सबसे नया संभाग भरतपुर है। राजस्थान का सबसे छोटा जिला क्षेत्रफल की दृष्टि से धौलपुर है, और सबसे बड़ा जिला जैसलमेर हैं। भारत का सबसे गर्म स्थान फलोदी जोधपुर है । फलोदी में सौर ऊर्जा संयंत्र बहुत ज्यादा स्थापित हो रहे है .[1,2]

जब किसी आम चुनाव में किसी अकेले दल को साफ़ बहुमत नहीं मिलता, तब दल या तो संसदीय बहुमत के समर्थन से गठबन्धन कैबिनेट बनाते हैं, या फिर अल्पमत कैबिनेट बनाते हैं, जिसमें एक या अनेक दल हो सकते हैं। जब एक आम चुनाव में किसी एक पार्टी के लिए स्पष्ट बहुमत नहीं होता है, तो पार्टियां या तो गठबंशन्धन मन्त्रिमण्डलों का निर्माण करती हैं, जो एक संसदीय बहुमत या अल्पसंख्यक मन्त्रिमण्डलों द्वारा समर्थित होती हैं, जिसमें एक या अधिक दल शामिल हो सकते हैं। पार्टियों के एक समूह पर आधारित कैबिनेट जो संसद में बहुमत का आदेश देते हैं, अल्पसंख्यक मन्त्रिमण्डलों की तुलना में अधिक स्थिर और लम्बे समय तक जीवित रहते हैं। जबकि पूर्व आन्तरिक संघर्षों से ग्रस्त हैं, उनके पास अविश्वास के मतों से डरने का कम कारण है। किसी एक पार्टी पर आधारित अधिकांश सरकारें आमतौर पर और भी अधिक स्थिर होती हैं, जब तक कि उनके बहुमत को बनाए रखा जा सकता है। आप राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मानव अधिकार कानूनों, नियमों,

ISSN: 2319-8753

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 3, Issue 4, April 2014

मानव अधिकारों के संरक्षण से संबंधित जानकारी प्रदान की गई है। आप लेख, प्रकाशन, रिपोर्ट और शोध पत्र प्राप्त कर सकते हैं। राजस्थान में पानी या सीवरेज के नये कनेक्शन के लिए डाउनलोड करने योग्य आवेदन प्रपत्र दिया गया है। प्रपत्र भरने के लिए निर्देश भी उपलब्ध हैं।[3,4] आवेदक प्रपत्र डाउनलोड कर आवश्यकतानुसार भर सकते हैं। राजस्थान लोक अधिप्राप्ति पोर्टल के प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न राज्य सरकार के विभागों और सरकारी खरीद से संबंधित संगठनों के मामलों को पोस्ट करना जिससे पता चल सके की वे जनता के लिए कितने उपयोगी हैं। संगठनों को उनकी बोली से संबंधित , पूर्व अर्हता दस्तावेज, बोली लगाने के लिए पंजीकृत दस्तावेजों, बोली दस्तावेज, संशोधन, स्पष्टीकरण, आदि प्रकाशित करने के लिए पोर्टल पर प्रावधान है। राजस्थान का भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सरकारी कर्मचारियों के भ्रष्टाचार में लिप्त होने, उन पर लगे भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने और अभियोजन के लिए जिम्मेदार है ताकि सरकारी विभागों के कार्यविधियों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता बनाई रखी जा सके। प्रयोक्ता बजट आवंटन, बजट संबंधी घोषणा, परिपत्र, नागरिक चार्टर, विभागाध्यक्ष और डीओपी के पास लंबित अभियोजन मंजूरी आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पंचवर्षीय पंजीकरण, दर्ज मामलों के निपटान. राजस्थान सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग और मंत्रिमंडल सचिवालय की बैठकों और राज्य में कार्य करने वाले संस्थानों की निगरानी। संगठनात्मक संरचना, आदेश और परिपत्रों अधिनियम और नियमों की जानकारी का पता लगाएं, प्रयोक्ता हस्तांतरण सूची, सर्किट हाउस, पोस्ट क्वेरी, आदि सूचना अन्य संबंधित वेबसाइटों पर मंत्रियों की सूची, आचार संहिता के बारे में भी कई लिंक के उपयोग द्वारा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं मंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों की संपत्ति की जानकारी. [5,6]श्री गंगानगर जिला पश्चिमी भारत के राजस्थान राज्य का उत्तरी शहर है और ऐसे स्थान पर स्थित है जहां से सतलुज राजस्थान में प्रवेश करती है। जिले में ऑटोमोबाइल बहुत बड़ी संख्या में हैं और यहीं देश का सबसे बड़े ऑटोमोबाइल बाजार भी है। पर्यटन स्थलों,, गांवों, शैक्षिक संस्थानों, होटल और मेलों के बारे में जानकारी प्रदान की गई है। आप सुगम आरपीजी, अपना खाता, ई - मित्र, ईग्राम इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रयोक्ता राजस्थान के सीकर जिले एवं इसकी प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जिले के प्रोफ़ाइल, पर्यटन स्थलों, योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की संपर्क विवरणी भी यहाँ उपलब्ध है। राजस्थान के कोटा जिले के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई है। जिला प्रशासन, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, और उद्योगों के बारे में जानकारी प्रदान की गई है। उपयोगकर्ता विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जिले में स्थित कोचिंग संस्थानों की सूची प्रदान की गई है। आवेदन प्रपत्र भी उपलब्ध कराए गये हैं।[7,8]

राजस्थान सरकार के द्वारा राज्य के नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं को शुरू किया गया है.**आपकी बेटी हमारी बेटी योजना**– यह योजना राज्य सरकार के द्वारा बेटियों के उज्वल भविष्य के लिए शुरू की गयी है। योजना के माध्यम से बेटियों को शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले सभी परिवारों की बेटियों को Rajsthan Apki Beti Yojana से लाभान्वित किया जायेगा।**जन सूचना पोर्टल-** इस पोर्टल के माध्यम से Rajsthan वासियों को राज्य में संचालित सभी सरकारी योजनाओं से संबंधी समस्त जानकारी उपलब्ध की गयी है अब नागरिक पोर्टल के तहत विभिन्न प्रकार की योजनाओं के विवरण को ऑनलाइन रूप में पोर्टल के तहत प्राप्त कर सकते है।राजस्थान कृषि उपज रहन ऋण योजना की शुरुआत राजस्थान राज्य सरकार के द्वारा की गयी है।[9,10] इस योजना के अंतर्गत राज्य में मौजूद सभी लघु एवं सीमांत किसानों को ऋण.राजस्थान सरकार ने राज्य के बुजुर्ग/वृद्ध नागरिको के लिए वृद्धावस्था पेंशन योजना का संचालन किया है। राज्य के 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग नागरिक इस योजना का आवेदन.राजस्थान उद्योग मित्र पोर्टल के माध्यम से अद्योगिकी के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार के द्वारा पोर्टल को लॉन्च किया गया है .राजस्थान सरकार द्वारा एक नयी योजना की शुरुआत की गयी हैं जिसका नाम मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना हैं। मातृत्व पोषण योजना राजस्थान– इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना की शुरुआत राजस्थान राज्य सरकार के द्वारा की गयी है। राजस्थान वृद्धावस्था पेंशन योजना की शुरुआत राज्य सरकार के द्वारा की गयी है योजना के अंतर्गत राज्य में मौजूद उन सभी वृद्धजनों को स्कीम का लाभ प्रदान किया जायेगा.सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना राजस्थान :- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा लागू की गई है.पालनहार योजना की शुरुआत राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गयी है। पालनहार योजना राजस्थान ऐसे बच्चो के लिए शुरू की गयी है जो अनाथ हो.Ration Card सरकार द्वारा जारी किया जाने वाला एक दस्तावेज है जिसकी सहायता से समाज के गरीब और वंचित लोग सस्ती दरों पर राशन प्राप्त करते हैं। [11,12]

ISSN: 2319-8753

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 3, Issue 4, April 2014

विचार-विमर्श

प्राचीन समय में राजस्थान में आदिवासी कबीलों का अस्थायी शासन था। 2500 ईसा पूर्व से पहले राजस्थान बसा हुआ था और उत्तरी राजस्थान में सिंधु घाटी सभ्यता की नींव रखी थी। भील और मीना जनजाति इस क्षेत्र में रहने के लिए सबसे पहले आए थे। संसार के प्राचीनतम साहित्य में अपना स्थान रखने वाले आर्यों के धर्मग्रंथ ऋग्वेद में मत्स्य जनपद का उल्लेख आया है, जो कि वर्तमान राजस्थान के स्थान पर अवस्थित था। महाभारत कथा में भी मत्स्य नरेश विराट का उल्लेख आता है, जहाँ पांडवों ने अज्ञातवास बिताया था। [9] उसके बाद मध्यकाल में विभिन्न वंशों ने यहां पर स्थाई शासन स्थापित किया और अपने राज्यों की स्थापना की, जो है -चित्तौडगढ, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़, (जालोर) सिरोही, कोटा, बूंदी, जयपुर, अलवर, करौली, झालावाड़ , मेरवाड़ा और टोंक(मुस्लिम पिण्डारी)। ब्रिटिशकाल में राजस्थान 'राजपूताना' नाम से जाना जाता था जो इसका सही प्रतिनिधित्व नही करते थे क्योंकि राज वंशी एवं विदेशी शासक सदैव मेहनतकश जनता और किसान की दिन रात की कमाई पर असो आराम और अत्याचार करतें रहते थे। दुर्गादास,जयमल, और सांगा,महाराजा सूरजमल, अमरसिंह,पाबूजी,गोगाजी, श्री सत्यवादी वीर तेजाजी अपनी असाधारण राज्यभक्ति और शौर्य के लिये जाने जाते थे। पन्ना धाय जैसी बलिदानी माता, मीरां जैसी जोगिन, श्री धन्ना जाट, श्री प्रताप राम जी घसवां बांसडा वाले, श्री प्रभू जी किलक मण्डोवरी जैसे मेहनती किसान यहां की एक बड़ी शान है।राणा बाई धुण, कर्मा बाई जाट जैसी भक्तिन जिसने भगवान जगन नाथ जी को हाथों से खीचड़ा (खिचड़ी) खिलाया था। इन राज्यों के नामों के साथ-साथ इनके कुछ भू-भागों को स्थानीय एवं भौगोलिक विशेषताओं के परिचायक नामों से भी पुकारा जाता रहा है। [13,14]पर तथ्य यह है कि राजस्थान के अधिकांश तत्कालीन क्षेत्रों के नाम वहां बोली जाने वाली प्रमुखतम बोलियों पर ही रखे गए थे। उदाहरणार्थ ढ़ंढ़ाडी-बोली के इलाकों को ढ़ंढ़ाड़ (जयपुर) कहते हैं। 'मेवाती' बोली वाले निकटवर्ती भू-भाग अलवर को 'मेवात', उदयपुर क्षेत्र में बोली जाने वाली बोली 'मेवाड़ी' के कारण उदयपुर को मेवाड़, ब्रजभाषा-बाहुल्य क्षेत्र को 'ब्रज', 'मारवाड़ी' बोली के कारण बीकानेर-जोधपुर इलाके को 'मारवाड़' और 'वागडी' बोली पर ही डूंगरपुर-बांसवाडा आदि को 'वागड' कहा जाता रहा है। डूंगरपुर तथा उदयपुर के दक्षिणी भाग में प्राचीन 56 गांवों के समूह को "छप्पन" नाम से जानते हैं। माही नदी के तटीय भू-भाग को 'कोयल' तथा अजमेर-मेरवाड़ा के पास वाले कुछ पठारी भाग को 'उपरमाल' की संज्ञा दी गई है।[2,3]

गठबन्धन देशों के साथ काम करने वाले देशों में शामिल हैं: नॉर्डिक देश, बेनेलक्स देश, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, साइप्रस, फ़्रांस, जर्मनी, ग्रीस, भारत, इण्डोनेशिया, आयरलैण्ड, इजरायल, इटली, जापान, केन्या, कोसोवो, लातविया, लेबनान, नेपाल, न्यूजीलैण्ड, पाकिस्तान, थाईलैण्ड, त्रिनिदाद और टोबैगो, तुर्की और यूक्रेन। स्विट्जरलैण्ड में 1959 से 2008 तक संसद में चार सबसे मजबूत दलों के गठबन्धन द्वारा शासन किया गया, जिसे "मैजिक फॉर्मूला" कहा जाता है। 2010 और 2013 के बीच, यूनाइटेड किंगडम ने कंजर्वेटिव और लिबरल डेमोक्रेट पार्टियों के बीच एक औपचारिक गठबन्धन भी संचालित किया, लेकिन यह असामान्य था: ब्रिटेन में आमतौर पर एकदलीय बहुमत वाली सरकार होती है। पाली जिला राजस्थान में स्थित है। उपयोगकर्ता जिले के इतिहास और भूगोल के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जलवायु, बुनियादी आंकड़े, त्योहारों और जिले के प्रशासनिक ढांचे के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई है। विभिन्न ई-गवर्नेंस सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई है। उपयोगकर्ता प्रपत्र, परिपत्र और अन्य संबंधित दस्तावेज डाउनलोड कर सकते हैं। राजस्थान विधान सभा के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई है। राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्यमंत्री, पदाधिकारियों, विधानसभा सदस्यों, लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों के बारे में जानकारी प्रदान की गई है। प्रक्रिया के नियमों, अध्यक्ष के निर्देश, प्रक्रियात्मक उपकरणों और समितियों के बारे में विवरण प्राप्त किया जा सकता है। राजस्थान का झुंझुनू जिला पश्चिमी भारत में स्थित है। जिला प्रशासन, इतिहास, रुचि के स्थानों और गांवों के बारे में जानकारी दी गई है। विभिन्न सेवाओं प्राप्त करने के लिए प्रपत्र भी डाउनलोड किये जा सकते हैं। जिले तक पहुंचने के लिए विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई है। गार्गी पुरस्कार योजना की शुरुआत राजस्थान सरकार द्वारा की गयी है। इस योजना के अनुसार बालिकाओं को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।[4,5]

इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी प्रशिक्षण व कौशल संवर्धन योजना. राजस्थान मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना की शुरुआत राज्य सरकार के द्वारा की गयी है राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के साधन उपलब्ध करवाने के लिए. राजस्थान जाति प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन से संबंधित सभी जानकारी आज हम आपको अपने इस आर्टिकल के माध्यम से प्रदान करेंगे।[6,7]

ISSN: 2319-8753

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 3, Issue 4, April 2014

परिणाम

राजस्थान भारत का एक महत्वपूर्ण प्रांत है। यह 30 मार्च 1949 को भारत का एक ऐसा प्रांत बना, जिसमें तत्कालीन राजपूताना की ताकतवर रियासतें विलीन हुईं। राजस्थान के एकीकरण के समय राजस्थान में 19 रियासतें व तीन ठिकाने लावा नीमराणा व कुशलगढ़ थे इसमें से धौलपुर जाट, करौली यादव शासकों की व टोंक मुस्लिम रियासत थी। भरतपुर के जाट शासक ने भी अपनी रियासत के विलय राजस्थान में किया था। राजस्थान शब्द का अर्थ है: 'राजाओं का स्थान' क्योंकि ये राजाओ से रक्षित भूमि थी। इस कारण इसे राजस्थान कहा गया था। भारत के संवैधानिक-इतिहास में राजस्थान का निर्माण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। ब्रिटिश शासकों द्वारा भारत को आजाद करने की घोषणा करने के बाद जब सत्ता-हस्तांतरण की कार्यवाही शुरू की, तभी लग गया था कि आजाद भारत का राजस्थान प्रांत बनना और तत्कालीन हिस्से का भारत में विलय एक दूभर कार्य साबित हो सकता है। आजादी की घोषणा के साथ ही राजपूताना के देशी रियासतों के मुखियाओं में स्वतंत्र राज्य में भी अपनी सत्ता बरकरार रखने की होड़ सी मच गयी थी, उस समय वर्तमान राजस्थान की भौगालिक स्थिति के नज़रिये से देखें तो इस भूभाग में कुल बाईस देशी रियासतें थी। इनमें एक रियासत अजमेर-मेरवाडा प्रांत को छोड़ कर शेष देशी रियासतों पर देशी राजा महाराजाओं का ही राज था। अजमेर-मेरवाडा प्रांत पर ब्रिटिश शासकों का कब्जा था; इस कारण यह तो सीधे ही स्वतंत्र भारत में आ जाती, मगर शेष इक्कीस रियासतों का विलय होना यानि एकीकरण कर 'राजस्थान' नामक प्रांत बनाया जाना था। सत्ता की होड़ के चलते यह बड़ा ही दूभर लग रहा था, क्योंकि इन देशी रियासतों के शासक अपनी रियासतों के स्वतंत्र भारत में विलय को दूसरी प्राथमिकता के रूप में देख रहे थे। उनकी मांग थी कि वे सालों से खुद अपने राज्यों का शासन चलाते आ रहे हैं, उन्हें इसका दीर्घकालीन अनुभव है, इस कारण उनकी रियासत को 'स्वतंत्र राज्य' का दर्जा दे दिया जाए। करीब एक दशक की ऊहापोह के बीच 18 मार्च 1948 को शुरू हुई राजस्थान के एकीकरण की प्रक्रिया कुल सात चरणों में एक नवंबर 1956 को पूरी हुई। जिसमे राजस्थान में 26 जिले सम्मिलित थे इसमें भारत सरकार के तत्कालीन देशी रियासत और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल और उनके सचिव वी॰ पी॰ मेनन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। इनकी सूझबूझ से ही राजस्थान के वर्तमान स्वरुप का निर्माण हो सका। राजस्थान में कुल 21 राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं।[8,9]

1967 मे किसी भी राजनीतिक दल के देश बहुमत नही मिला हो इस लिए गैर कग्रसी दलो ने एक जुट होकर सरकार का सम्रथन किया चुरू पश्चिमी भारत के राजस्थान राज्य का जिला है। चुरू जिले का प्रशासनिक मुख्यालय है। चुरू जिले के प्रशासन, नागरिकों के लिए सरकारी परियोजनाओं, ई गवर्नेंस पहल आदि के बारे में जानकारी दी गई है। जिले के जनप्रतिनिधि के विवरण भी उपलब्ध कराए गये हैं। अन्य संबंधित पोर्टलों के लिंक भी दिए गए हैं। भीलवाड़ा जिला राजस्थान का औद्योगिक शहर है। ज़िले के प्रशासनिक, भूगोल, उद्योग, पर्यटन और कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है। लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, कृषि आधारित उद्योग, तंबाकू उद्योग, और कपास उद्योग के बारे में जानकारी दी गई है। प्रपत्र डाउनलोड किये जा सकते हैं। फाड़ चित्रकला, बहरूपिया और स्वांग कला और संगीत कला केन्द्र जैसी जिले की कला और हस्तशिल्प से संबंधित जानकारी प्रदान की गई है। राजस्थान के बूंदी जिले के बारे में जानकारी प्राप्त करें। उपयोगकर्ता जिले के इतिहास, भूगोल, प्रशासन, पर्यटन और पर्यटन स्थलों, बूंदी उत्सव आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मेलों, त्योहारों, हेरिटेज होटल और प्रवासी पक्षियों के बारे में भी जानकारी दी गयी है। तस्वीर और वीडियो गैलरी भी उपलब्ध कराई गई है। राजस्थान में राजस्व मंडल द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले अधिवास प्रमाण पत्र हेतु आवेदन करें। प्रपत्र भरने के लिए आवश्यक प्रलेखों और प्रपत्र भरने से संबंधित दिशा-निर्देश की जानकारी दी गई है। आवेदक प्रपत्र डाउनलोड कर आगे भी उपयोग कर सकते हैं। यह प्रपत्र हिंदी में भी उपलब्ध है। भरतपुर जिला राजस्थान में अवस्थित है। जिला प्रशासन, भूगोल, व्यापार और वाणिज्य, और राजनीतिक संरचना के बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी है। पर्यटन स्थलों जैसे केवलादेव, राष्ट्रीय उद्यान, लोहारगढ़ किला, डीग, नंद भवन, पुराण महल आदि के संबंध में सूचना प्रदान की गयी है। जिले के उद्योगों, कृषि एवं खनिज से संबंधित सूचना भी दी गयी है। बाड़मेर जिला राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित थार रेगिस्तान का एक भाग है। ई-मित्रा के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी गई है। जिले के सरकारी विभागों खाद्य आपूर्ति, ग्रामीण विकास, कृषि,स्वास्थ्य और उत्पाद शुल्क आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करें। प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क विवरण दिये गये हैं। थार महोत्सव और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में सूचना दी गई है। जिले में रोजगार से संबंधित सूचना और आवेदन फॉर्म भी उपलब्ध हैं।[10,11]

ISSN: 2319-8753

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 3, Issue 4, April 2014

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के बारे में जानकारी प्राप्त करें। योजनाओं, कार्यक्रमों और कल्याण गतिविधियों का विवरण उपलब्ध हैं। आप जिले की पुलिस, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं, वन, कृषि, उद्योग और लोक निर्माण विभाग के बारे में जानकारी पा सकते हैं। इंदिरा आवास योजना स्कीम के बारे में जानकारी दी गई है। पर्यटन स्थानों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी है। राजस्थान के अजमेर जिले के बारे में जानकारी उपलब्ध है। औद्योगिक विकास और मनरेगा रोजगार से संबंधित विकास की गतिविधियों के बारे में विवरण उपलब्ध हैं। आप रेलवे और पर्यटन से संबंधित जानकारी का उपयोग करने के लिए लिंक पा सकते है। हथियारों के लाइसेंस धारकों के विवरण उपलब्ध हैं। जिले के पर्यटन स्थलों के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी है। वार्षिक ऋण योजना का विवरण दिया गया है। कर्मचारियों और अनुपस्थित अधिकारियों की एक सूची दी गयी है।[11,12]

निष्कर्ष

राजस्थान की आकृति लगभग पतंगाकार है। राज्य २३ ३ से ३० १२ अक्षांश और ६९ ३० से ७८ १७ देशान्तर के बीच स्थित है। इसके उत्तर में पाकिस्तान, पंजाब और हरियाणा, दक्षिण में मध्यप्रदेश और गुजरात, पूर्व में उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश एवं पश्चिम में पाकिस्तान हैं।

सिरोही से अलवर की ओर जाती हुई ४८० कि°मी° लम्बी अरावली पर्वत श्रृंखला प्राकृतिक दृष्टि से राज्य को दो भागों में विभाजित करती है। राजस्थान का पूर्वी सम्भाग शुरू से ही उपजाऊ रहा है। इस भाग में वर्षा का औसत ५० से.मी. से ९० से.मी. तक है। राजस्थान के निर्माण के पश्चात् चम्बल और माही नदी पर बड़े-बड़े बांध और विद्युत गृह बने हैं, जिनसे राजस्थान को सिंचाई और बिजली की सुविधाएं उपलब्ध हुई है। अन्य नदियों पर भी मध्यम श्रेणी के बांध बने हैं, जिनसे हजारों हैक्टर सिंचाई होती है। इस भाग में ताम्बा, जस्ता, अभ्रक, पन्ना, घीया पत्थर और अन्य खनिज पदार्थों के विशाल भण्डार पाये जाते हैं।[12,13]
राज्य का पश्चिमी भाग देश के सबसे बड़े रेगिस्तान "थार" या 'थारपाकर' का भाग है। इस भाग में वर्षा का औसत १२ से.मी. से ३० से.मी. तक है। इस भाग में लूनी, बांड़ी आदि नदियां हैं, जो वर्षा के कुछ दिनों को छोड़कर प्राय: सूखी रहती हैं। देश की स्वतंत्रता से पूर्व बीकानेर राज्य गंगानहर द्वारा पंजाब की नदियों से पानी प्राप्त करता था। स्वतंत्रता के बाद राजस्थान इण्डस बेसिन से रावी और व्यास नदियों से ५२.६ प्रतिशत पानी का भागीदार बन गया। उक्त नदियों का पानी राजस्थान में लाने के लिए सन् १९५८ में 'राजस्थान नहर' (अब इंदिरा गांधी नहर) की विशाल परियोजना शुरू की गई। जोधपुर, बीकानेर, चूरू एवं बाड़मेर जिलों के नगर और कई गांवों को नहर से विभिन्न लिफ्ट परियोजनाओं से पहुंचाये गये पीने का पानी उपलब्ध होगा। इस प्रकार राजस्थान के रेगिस्तान का एक बड़ा भाग अन्तत: शस्य श्यामला भूमि में बदल जायेगा। सूरतगढ़ जैसे कई इलाको में यह नजारा देखा जा सकता है।

गंगा बेसिन की नदियों पर बनाई जाने वाली जल-विद्‌युत योजनाओं में भी राजस्थान भी भागीदार है। इसे इस समय भाखरा-नांगल और अन्य योजनाओं के कृषि एवं औद्योगिक विकास में भरपूर सहायता मिलती है। राजस्थान नहर परियोजना के अलावा इस भाग में जवाई नदी पर निर्मित एक बांध है, जिससे न केवल विस्तृत क्षेत्र में सिंचाई होती है, वरन् जोधपुर नगर को पेयजल भी प्राप्त होता है। यह सम्भाग अभी तक औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। पर उम्मीद है, इस क्षेत्र में ज्यो-ज्यों बिजली और पानी की सुविधाएं बढ़ती जायेंगी औद्योगिक विकास भी गति पकड़ लेगा। इस बाग में लिग्नाइट, फुलर्सअर्थ, टंगस्टन, बैण्टोनाइट, जिप्सम, संगमरमर आदि खनिज प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। बाड़मेर क्षेत्र में सिलिसियस अर्थ और कच्चा तेल के भंडार प्रचुर मात्रा में हैं। हाल ही की खुदाई से पता चला है कि इस क्षेत्र में उच्च किस्म की प्राकृतिक गैस भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अब वह दिन दूर नहीं, जबकि राजस्थान का यह भाग भी समृद्धिशाली बन जाएगा।[14]

राज्य का क्षेत्रफल ३.४२ लाख वर्ग कि.मी है जो भारत के कुल क्षेत्रफल का १०.४० प्रतिशत है। यह भारत का सबसे बड़ा राज्य है। वर्ष १९९६-९७ में राज्य में गांवों की संख्या ३७८८९ और नगरों तथा कस्बों की संख्या २२२ थी। राज्य में ३३ जिला परिषदें, २३५ पंचायत समितियां और ९१२५ ग्राम पंचायतें हैं। नगर निगम ४ और सभी श्रेणी की नगरपालिकाएं १८० हैं।
सन् १९९१ की जनगणना के अनुसार राज्य की जनसंख्या ४.३९ करोड़ थी। जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग कि°मी° १२६ है। इसमें पुरुषों की संख्या २.३० करोड़ और महिलाओं की संख्या २.०९ करोड़ थी। राज्य में दशक वृद्धि दर २८.४४ प्रतिशत थी, जबकि भारत में यह औसत दर २३.५६ प्रतिशत थी। राज्य में साक्षरता ३८.८१ प्रतिशत थी। जबकि भारत की साक्षरता तो केवल २०.८ प्रतिशत थी जो देश के अन्य राज्यों में सबसे कम थी। राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति राज्य की कुल जनसंख्या का क्रमश:

ISSN: 2319-8753

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 3, Issue 4, April 2014

१७.२९ प्रतिशत और १२.४४ प्रतिशत है।गठबंधन सरकार के प्रमुख दोष निम्न है: 1. राष्ट्रीयता की भावना की कमी तथा क्षेत्रियता की वृद्धि होती है। 2. भ्रष्टाचार की वृद्धि होती है। 3. नीतियों के बदलने पर दबाव की लगातार बाध्यता होती है। 4. अलग-अलग दलों में सैद्धांतिक आदर्शों में मतभेद। 5. प्रधानमंत्री के विशेषाधिकारों का हनन।[13]

राजस्थान सरकार-राजस्व मण्डल-राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन हेतु ग्रामीण विकास मंत्रालय व भूमि संसाधन विकास विभाग (DOLR) द्वारा केन्द्र प्रायोजित दो योजनाओं – भू.अ. का कम्प्युटरीकरण (CLR) व राजस्व प्रशासन को सुदृढ बनाना और भूमि अभिलेखो को अद्यतन करना (SRA & ULR) को मिलाकर डी.आई.एल.आर.एम.पी. कार्यक्रम शुरू किया गया । डी.आई.एल.आर.एम.पी. का मुख्य उद्देश्य शीर्षक गारंटी के साथ निर्णायक भूमि-शीर्षक प्रणाली को लागू करने के उद्देश्य से देश में एक आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि अभिलेख प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है।[14]

संदर्भ

1. PTI (1 September 2011). "Kalraj Mishra is new governor of Rajasthan, Arif Mohd Khan gets Kerala | India News - Times of India". The Times of India (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 1 September 2011.
2. ↑ "Rajasthan Profile" (PDF). Census of India. मूल से 16 September 2012 को पुरालेखित (PDF). अभिगमन तिथि 21 July 2012.
3. ↑ "MOSPI Net State Domestic Product, Ministry of Statistics and Programme Implementation, Government of India". अभिगमन तिथि 7 April 2010.
4. ↑ "Report of the Commissioner for linguistic minorities: 52nd report (July 2013 to June 2013)" (PDF). Commissioner for Linguistic Minorities, Ministry of Minority Affairs, Government of India. पपृ° 34–35. मूल (PDF) से 28 दिसंबर 2012 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 16 फ़रवरी 2012.
5. ↑ "Sub-national HDI – Area Database – Global Data Lab". hdi.globaldatalab.org (अंग्रेज़ी में). मूल से 23 September 2011 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 13 September 2011.
6. ↑ "Census 2011 (Final Data) – Demographic details, Literate Population (Total, Rural & Urban)" (PDF). planningcommission.gov.in. Planning Commission, Government of India. मूल से 27 January 2011 को पुरालेखित (PDF). अभिगमन तिथि 3 October 2011.
7. ↑ Jat, Madan; Jat (2011). Madan. Jat.
8. ↑ rajasthan gk quiz http://www.rajasthangkquiz.com/mukundara-hills-national-park/. गायब अथवा खाली |title= (मदद)
9. ↑ Kohli, Anju; Shah, Farida; Chowdhary, A. P. (1997). Sustainable Development in Tribal and Backward Areas (अंग्रेज़ी में). Indus Publishing. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 978-81-7387-072-9.
10. ↑ इम्पीरियल गजैटियर
11. ↑ गोपीनाथ शर्मा / 'Social Life in Medivial Rajasthan' / पृष्ठ ३
12. ↑ http://hindi.mapsofindia.com/rajasthan/jaipur/places-of-interest/ Archived 2012-09-19 at the Wayback Machine जयपुर के दर्शनीय स्थल
13. ↑ बेरोजगार सेवा केन्द्र सीकर
14. ↑ rajasthan gk quiz http://www.rajasthangkquiz.com/mukundara-hills-national-park/. गायब अथवा खाली |title= (मदद)